तापमान
अधिकतम 44 .1 डिग्री
न्यूनतम 24 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 24 मई 2026

श्रीस्थाणु सेवा मंडल कुरुक्षेत्र ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

थानेसर। ब्रह्मलीन महंत प्रभात पुरी की प्रेरणा से कुरुक्षेत्र की पहली संस्था श्रीस्थाणु सेवा मंडल ने श्रीमहंत बंशी पुरी जी महाराज के आशीर्वाद से कुरुक्षेत्र के कुछ स्कूलों के मेधावी बच्चों को सम्मान दिया। मेधावी छात्रों ने 10वीं व 12वीं में अपने स्कूल मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया, उन छात्रों को संस्था ने श्रीमहंत प्रभात पंरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता महंत बंशी पुरी ने की। समारोह मे मुख्य अतिथि राजकुमारी शर्मा धर्मपत्नी स्वर्गीय रमेश शर्मा, भूतपूर्व रजिस्ट्रार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र व उनके सपुत्र एडवोकेट अतुल शर्मा रहे।

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL

KURUKSHETRA

(Affiliated to CBSE)

BOARD RESULTS - CLASS XII

2nd in the District (Arts) **Sneha Sharma** 97.8

3rd in the District (Commerce) **Avantika Dutt** 96.8

3rd in the District (Non-Medical) **Parth Singla** 96

4th in the District (Non-Medical) **Gurpreet Singh** 95.8

School Topper (Medical) **Navjot Singh** 92.6

Sakshi 94.2

Hiten Bansal 94

Tripti Rani 94

Divyanshi 93.6

Siya Rani 93.6

Piyanshi 93.2

Naman Kumar 93.2

Naveen 92.4

Garv Bura 92.2

Yashika 92.2

Diljit 92

Srishti 92

Harshit Mehta 91.6

Anurag 91.4

Archit 91.4

Aditi Sharma 91

Keshav Gaba 90.4

Plaksha 90.4

Anshdeep Kaur 90.4

Aahana Singh 90.2

Mansi 90

Simran 89

Harman 88.8

Arnav Bhardwaj 88.8

Palak 88.8

Mansi 88.6

Partiksha 88

Keshav Pruthi 88

Nidhi Arora 88

Harman 87.8

Anshika 87.6

Harman 87.4

Dipanshi 87.2

Anushka 86.8

Mannat Saini 86.2

Aditi Tomar 86.2

Himanshu 86

Arshpreet 86

Tanish 85.8

Abhinav 85.6

Kunal 85.4

Devansh 85

Abhinav 85

Akshit Jindal 84.8

Puneetika 84.8

Janvi Dhingra 84.6

Hezal Gupta 84.4

Chhavi Saini 84.4

Deepika Saini 84.2

Ojasvi 83.8

Lavisha 83.6

Suneha 83.6

Akshita 83.6

Amandeep 83.6

Prabhnoor 83.6

Niyati Saini 83.4

Avesh Parashar 83.2

Pawan Bhatt 82.8

Yashika 82.6

Rudra Sharma 82.4

Prikshit Malik 82.4

Avni Bansal 82.4

Parakh 82.2

Shalok Dahiya 82.2

Harshita 82.2

Ritika Sharma 82

Radhika 82

Diksha Dhiman 81.8

Priyanshi 81.6

Vatsal Madaan 81.2

Swati 81.2

Bhawni 81

Priyanshi 80.8

Riddhi Rani 80.8

Chaitanya Goel 80.6

Akshat Saini 80.6

Geetansh 80.4

Manpreet 80.4

Bhavya Kumar 79.6

Hitashi 79.6

Vansh 79.6

Akshita 79.4

Parth 79.4

Shivani 79.4

Navneet Kaur 79.2

Divyanjali 79

Janvi 79

Divyanshu 78.8

Annu 78.4

Karthik 78.2

Niyati 78

Disha Bihana 78

Noor 78

Aditi 77.6

Shagun 77.6

Yashasvi Saini 77

Umama 77

Arjun Sharma 76.8

Parinita 76.4

Aditya Sharma 76.4

Sarika 76

Aryan 76

Sneha 75.6

Parisha 75.4

Hanushi 75.4

Khwaish 75.4

Niharika 75.4

Ridhima 75.4

Aditya 75.2

Devansh 75.2

Himanshi 75.2

Janvi 75.2

Jashan Rana 75.2

Lakshita 75

Rhythm Nain 75

Divyanshi 75

Tarun Garg 75

Kushal Gupta 74.8

Akshra 74.8

Kritika 74.8

Harshita 74.6

Mannat Kaur 74.6

JEE MAINS-2026 ACHIEVERS

Gurpreet Singh 99.9 AIR : 305*

Parth Singla 99.64 AIR : 5861

Divyanshi 99.39 AIR : 9815

Parth 99.3 AIR : 150*

Abhinav 98.62

Anurag 98.51

Plaksha 98.42

Harshit 98.19

Harman 97.8

Hezal 97.64

Navjot 97.6

Suneha 95.63

Keshav 93.8

Palak 91.8

Results at a Glance- XII (Students Appeared-228)

% Range	No. of Students
94.6 & Above	4
89.6 & Above	26
84.6 & Above	51
79.6 & Above	86
74.6 & Above	127

Subjects	Marks	Students
Pol Science	100	Sneha Sharma
Sanskrit	100	Arnav Bhardwaj, Parakh, Parisha, Kritika
Artificial Intelligence	100	Avantika Dutt, Janvi Dhingra, Pawan Bhatt, Piyanshi Sachdeva, Sneha Sharma, Yashika Sharma
Commercial Arts	100	Aahana Singh, Aditi Sharma, Anshika Gupta, Diksha Dhiman, Naman Kumar
English	100	Hiten Bansal, Keshav Gaba
Mathematics	100	Parth Singla
Economics	99	Sneha Sharma
Physical Education	98	Hiten Bansal, Sakshi, Srishti Choudhary
Biology	98	Anshdeep Kaur
Business Studies	98	Avantika Dutt
Accountancy	98	Avantika Dutt
Chemistry	97	Gurpreet Singh
Physics	97	Parth Singla
History	97	Sneha Sharma
Geography	96	Siya Rani

The MPPS family congratulates achievers and their proud parents on this milestone.

+91-80597-00244 maharanapratapschool@yahoo.co.in www.mppskkr.com

खबर संक्षेप

भाजपा महंगाई बढ़ाकर जनता पर डाल रही बोझ

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के प्रदेश वाइस चेयरमैन जीतराम कश्यप ने केंद्र सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है। जीतराम कश्यप ने कहा कि बीते एक सप्ताह के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन बार बढ़ोतरी की गई है, जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनता को पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की सलाह देते हैं, जबकि खुद विदेश यात्राओं में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर हो रही है और आम आदमी महंगाई से परेशान है। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही आर्थिक संकट की चेतावनी दे चुके हैं और भाजपा सरकार के दावों की सच्चाई अब जनता के सामने आ चुकी है।

छात्राओं को प्राणायाम का करवाया अभ्यास

करनाल। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय सेक्टर-13 में आयुष विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आईडीवाई-2026 योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। योग शिक्षिका मीनाक्षी राठी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रार्थना के बाद सूक्ष्म व्यायाम के अंतर्गत ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटि चालन और घुटना संचालन करवाया गया। इसके बाद ताड़ासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन और त्रिकोणासन सहित खड़े होकर किए जाने वाले आसनों का अभ्यास कराया गया। बैठकर किए जाने वाले आसनों में दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन और वक्रासन शामिल रहे। वहीं मकरासन, भुजंगासन और शलभासन जैसे पेट के बल किए जाने वाले आसनों का भी अभ्यास करवाया गया। विद्यालय की मुखिया सपना पुरी ने विद्यार्थियों को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षक दिलीप सिंह, प्रोमिला, भारती, पूनम सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

30 मई को करनाल आएंगे रणदीप सुरजेवाला

करनाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला 30 मई को करनाल पहुंचेंगे। वह गगसीना गांव में आयोजित एकता संकल्प समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम शाम चार बजे शुरू होगा। यह जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंद्र लाठर भुप्पी ने दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी देशभर में सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं तथा जनता की आवाज संसद तक पहुंचा रहे हैं। इसी उद्देश्य को लेकर करनाल में एकता संकल्प समारोह आयोजित किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने नीलोखेड़ी हलके में जनसंवाद कार्यक्रम किया

कॉकरोच जनता पार्टी शरारती तत्वों की हरकत: मनोहर लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार देर रात ट्रेन से करनाल पहुंचने के बाद नीलोखेड़ी हलके में जनसंवाद कार्यक्रम किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए।

- ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं व अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए

मीडिया से बातचीत में सोशल मीडिया पर चर्चा में चल रही तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कुछ शरारती तत्वों की हरकत थी। उन्होंने बताया कि इस नाम से चलाया जा रहा पोर्टल बंद कर दिया गया है और इससे जुड़े लोग भी पीछे हट चुके हैं। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी के खुद को इसका संयोजक बताए जाने के

करनाल। नीलोखेड़ी हलके में जनसंवाद कार्यक्रम में जनसमस्याएं सुनते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

सवाल पर उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर्फ "ठीक" कहकर जवाब दिया। आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अदालत की टिप्पणी आई है, लेकिन अंतिम निर्णय विधायिका और राज्य सरकारों को लेना है। आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। आईएएस अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ देना उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि ऐसे परिवार पहले से सक्षम स्थिति में होते हैं। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि देशभर में लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण 21 मई को बिजली की मांग 271.8 गीगावॉट तक पहुंच गई थी। इसके बावजूद केंद्र सरकार और बिजली विभाग के बेहतर प्रबंधन के चलते कहीं कोई बड़ी परेशानी नहीं आई। उन्होंने कहा कि यदि आने वाले दिनों में मांग 283 गीगावॉट तक भी पहुंचती है तो देश उसे पूरा करने में सक्षम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में बिजली की खपत और बढ़ेगी। इसे देखते हुए केंद्र सरकार सोलर, हाइड्रो और थर्मल पावर सेक्टर को मजबूत कर रही है ताकि भविष्य की जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी के विदेशी दौरों को लेकर राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि इस मुद्दे पर बोलना उचित नहीं समझते।

तेल कीमतों में बढ़ोतरी पर बोले

पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उन्होंने कहा कि यह केवल भारत की समस्या नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय हालात का प्रभाव है। उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि तेल सप्लाई प्रभावित होने से वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता दोनों को मिलकर स्थिति का सामना करना होगा। अगर पूरा आर्थिक भार सरकार उठाएगी तो विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

हरविंद्र कल्याण ने किया सड़क नवीकरण कार्य का उद्घाटन

- अराईपुरा-बस्सी अकबरपुर सड़क 67 लाख में बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने शनिवार को गांव अराईपुरा से बस्सी अकबरपुर सड़क के नवीकरण कार्य का उद्घाटन किया। 2.61 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर 67.31 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। सड़क का जीर्णोद्धार जिला परिषद की ओर से कराया गया।

उन्होंने कहा कि इस सड़क के अलावा गांव में 85 लाख रुपये के अन्य विकास कार्य भी मंजूर हो चुके हैं, जिन पर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने जोहड़ संबंधी कार्य भी शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। हरविंद्र कल्याण ने ग्रामीणों से गांव में भाईचारा बनाए रखने और

करनाल। सड़क के नवीकरण कार्य का उद्घाटन करते हरविंद्र कल्याण।

पार्टीबाजी से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव कुछ दिनों का होता है, लेकिन आपसी संबंध हमेशा बने रहने चाहिए। उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की भी बात कही।

उन्होंने हाल ही में घरौंडा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लाखों लोगों की मौजूदगी के बावजूद अनुशासन, सेवा भाव और सद्भावना देखने को मिली, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

इस मौके पर पंचायती राज विभाग के एसडीओ जयभगवान भारद्वाज, बस्सी और आसपास के गांवों के सरपंच सहित कई लोग मौजूद रहे।

नागरिक अस्पताल में लगाया गया निःशुल्क जांच शिविर

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

उपमंडल नागरिक अस्पताल इंद्री में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया।

एसएमओ डॉ. संदीप अबरोल ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व जांच एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। शिविर में 67 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच की गई। शिविर में महिलाओं का ब्लड प्रेशर, वजन, हीमोग्लोबिन, शुगर, यूरिन, एचआईवी, सिफलिस, हेपेटाइटिस बी आदि की जांच की गई। साथ ही उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें उचित परामर्श एवं उपचार दिया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9,10, 23 तथा हर माह की अंतिम तारीख को उपमंडल अस्पताल इंद्री में यह शिविर आयोजित किया जाता है। शिविर में सभी गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम एवं आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं तथा पोषण व संस्थागत प्रसव के लाभ बारे बताया गया। अब उपमंडल नागरिक अस्पताल, इंद्री में स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की सुविधा के साथ साथ पिछले एक साल से सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है और हर माह उप मण्डल नागरिक अस्पताल में लगभग 15 सिजेरियन डिलीवरी की जा रही है।

संगठन की मजबूती के लिए बैठक में हुई चर्चा

- मधुबन मण्डल के कालरों शक्ति केंद्र पर किया बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा विधानसभा के मधुबन मण्डल के कालरों शक्ति केंद्र पर शुक्रवार को मासिक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की अध्यक्षता शक्ति केंद्र प्रमुख संदीप लोहट ने की। बैठक में मुख्य वक्ता सुरेश जागलान, अजय राणा, वशिष्ठ बूथ नम्बर 108,109,110,111 के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष संदीप लोहट व कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों को पटका पहनाकर स्वागत किया। बैठक मे आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई और संगठन की मजबूती, प्रधानमंत्री जी की मन की बात,सरल ऐप व बूथ समिति पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता सुरेश जागलान ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया और कार्यकर्ताओं के सुझावों को गंभीरता से सुना गया और उन्हें संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन एवं सक्रियता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया गया।

निसिंग : 'राम-राम हरियाणा' कार्यक्रम में साझा किए अनुभव

- सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो ग्रामोदय ने मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निसिंग

सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो ग्रामोदय ने शनिवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम 'राम-राम हरियाणा' का प्रसारण किया गया।

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक एवं रेडियो ग्रामोदय के संस्थापक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि वर्ष 2019 में शुरू हुआ यह रेडियो स्टेशन आज ग्रामीण समाज की आवाज बन चुका है। उन्होंने बताया कि रेडियो

ग्रामोदय कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर लगातार जनजागरण का कार्य कर रहा है। मानव सेवा चैरिटेबल सोसायटी के तत्वावधान में संचालित यह रेडियो स्टेशन गांव में स्थापित स्टूडियो से संचालित होता है और यहां तैयार होने वाले अधिकांश कार्यक्रम किसानों, मजदूरों और युवाओं को केंद्र में रखकर प्रसारित किए जाते हैं। डॉ. चौहान ने बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सामुदायिक रेडियो नीति के तहत यह स्टेशन संचालित हो रहा है तथा इसकी स्थापना में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग की आत्मा योजना के तहत आर्थिक सहयोग मिला था।

कार्यक्रम में दलजीत सिंह लूथरा, आजाद सिंह मान, नरेंद्र सिंह राणा, राधेश्याम शर्मा, विकास बंसल और सर्जन सिंह सहित कई अतिथियों ने भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए।

अल्फा इंटरनेशनल सिटी में अवैध रास्ता किया बंद

पांच एकड़ में बसी कॉलोनी पर चला पीला पंजा

- जिला नगर योजनाकार विभाग ने सैट बैंक के अंदर निर्माण भी तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कई जगह तोड़फोड़ अभियान चलाया। विभाग ने अल्फा इंटरनेशनल सिटी स्थित सामुदायिक केंद्र में किए गए अनाधिकृत निर्माण को हटाया तथा अवैध रास्ते को बंद कराया। इसके अलावा सैट बैंक के अंदर किए गए अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मेरठ रोड स्थित गांव शेखपुरा में करीब पांच एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर भी कार्रवाई की गई। यहां बनी सभी डीपीसी और पक्की सड़कों को जेसीबी की मदद से तोड़ दिया गया। यह अभियान ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की निगरानी में पूरा किया गया। कहा कि अवैध कॉलोनियों और गैरकानूनी निर्माणों के खिलाफ विभाग लगातार अभियान चला रहा है। ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करवाई जा रही हैं और लोगों को समय-समय पर जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध निर्माण को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रॉपर्टी डीलर के झांसे में न आएं और केवल वैध कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदें। साथ ही कॉलोनाइजरों से कहा गया कि वे टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से लाइसेंस लेकर ही कॉलोनियां विकसित करें।

करनाल। अवैध निर्माण को गिराते हुए जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम।

संपत्ति कर आईडी सेल्फ सर्टिफिकेशन के लिए लगेंगे शिविर

करनाल। नगर निगम क्षेत्र में संपत्ति कर आईडी को स्व-प्रमाणित कराने के लिए वार्ड स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि नागरिकों को सुविधा देने के उद्देश्य से सोमवार और मंगलवार को अलग-अलग वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। 25 मई को वार्ड नंबर 3 में रविदास मंदिर गली नंबर 3, राजीव पुरम तथा वार्ड नंबर 13 में सदर बाजार स्थित चित्रगुप्त मंदिर में शिविर लगाए जाएंगे। वहीं 26 मई को वार्ड नंबर 4 में गली नंबर 18 स्थित खेड़े वाली धर्मशाला, कर्ण विहार और वार्ड नंबर 14 में श्रीकृष्ण गौशाला, जनकपुरी में कैंप आयोजित होंगे। शिविरों का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी प्रॉपर्टी आईडी और आधार कार्ड साथ लाएं।

न्यूज डायरी

15 लाख की ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस के साइबर क्राइम थाना की टीम ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह मान के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आरिफ पुत्र नफीस और आसिफ अली पुत्र अली हसन निवासी छपरौली जिला बागपत, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने शिकायतकर्ता को मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी एफआईआर में फंसाने का डर दिखाया था। इसके बाद उन्होंने शिकायतकर्ता की पत्नी के बैंक खाते से 15 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। इस संबंध में थाना साइबर क्राइम करनाल में मुकदमा नंबर 172 दिनांक 1 नवंबर 2025 को धारा 318(4) और 61 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी आरिफ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि आरोपी आसिफ अली का तीन दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है।

21 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सीखा योग

करनाल। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को लेकर आयुष विभाग द्वारा जिलेभर में योग प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल ने बताया कि उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देशानुसार दूसरे चरण में 21 से 23 मई तक सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। हरियाणा योग आयोग के नोडल अधिकारी डॉ. अमित पुंज ने बताया कि पहले चरण में 18 से 20 मई तक ब्लॉक स्तर पर 396 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया था। दूसरे चरण में निजी और सरकारी विद्यालयों के पीटीआई, डीपीई, योग सहायकों और प्रशिक्षकों के सहयोग से जिले के 435 स्कूलों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन विद्यालयों में 123 निजी, 115 राजकीय माध्यमिक, 44 उच्च विद्यालय, 134 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, 18 पीएम श्री स्कूल तथा 11 मॉडल संस्कृति विद्यालय शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान कुल 21 हजार 332 विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिला कार्यक्रम संयोजक पूजा और वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितिन रोहिल्ला ने योग प्रशिक्षण अभियान में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों और संस्थाओं का आभार जताया। उन्होंने बताया कि आगामी 30 और 31 मई को इंटर स्कूल और इंटर कॉलेज योगासन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

भाविप घरौंडा ने किया मीठे पानी का वितरण

घरौंडा। भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा द्वारा अपने पांचो सूत्रों मे एक सेवा सूत्र के तहत नई अनाज मंडी घरौंडा में चल रही शिव महापुराण कथा के पावन अवसर पर लगातार मीठे पानी का वितरण किया। इस मोके कथा श्रवण करने पहुंचे श्रद्धालुओ ने भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा के इस कार्य को पावन पुनीत बताते हुए कहा कि ऐसे पुनीत कार्य सदैव चलते रहने चाहिए जिससे मानवता का कल्याण हो शाखा अध्यक्ष श्री संजय सचदेवा ने कहा देवाधि देव महादेव की पावन ओर करुणामयी कृपा से घरौंडा मे पहली बार शिव महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है हम सभी भाग्य शाली है जो अपने कानों से पावन कथा को श्रवण कर रहे है जो कथा बड़े बड़े महानगरों मे होती है आज हमारी जन्म भूमि पर हो रही है ये सब महादेव की अनन्य कृपा का ही प्रताप है भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा इस कथा को श्रवण करने आये सभी भक्तजनों का अन्तः करण से स्वागत करती हैं शहर की अग्रणी संस्था होने के कारण समाज की सेवा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है ओर अपने कर्तव्यो का हम सदा निर्वहन करते रहेंगे इस कार्यक्रम मे मुख्य सहयोग पूर्व अध्यक्ष श्री चांद पहल जी व उनके मित्र का रहा इसके प्रकल्प प्रमुख कपिल धीमान,मोहन राणा, रवि बजाज,सुनील धीमान,आशीष गुप्ता, धीरज भाटिया, सुरेंद्र राणा, राकेश चुघ,अरुण धीमान, सुरेंद्र राणा आदि मौजूद

खेड़ा में चलाया स्वच्छता, पॉलीथिन मुक्ति अभियान

इंद्री। हेल्थ एजुकेशन एंड एनवायरमेंट सोसायटी के सौजन्य से गांव खेड़ा में स्वच्छता एवं पॉलीथिन मुक्ति अभियान करनाल के पूर्व डीसी बीएस मलिक की अध्यक्षता में चलाया गया। हेल्थ एजुकेशन एंड एनवायरमेंट सोसाइटी की टीम सदस्य बाबा महादेव गिरी, संदीप लाठर, करनाल के पूर्व जिला विकास पंचायत अधिकारी एमएस तंवर सुबह सात बजे खेड़ा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचे और सफाई अभियान का कार्य करने लगे। स्वच्छता कर्मियों ने सफाई अभियान के तहत स्कूल के अंदर पड़े पॉलीथिन इकट्ठे करके एक निश्चित स्थान पर जमा किए, उसके बाद स्कूल के बाहर बने नालों की सफाई की । इस मौके पर उन्होंने स्कूल परिसर मे पौधारोपण भी किया। सुबह की सभा में बच्चों व अध्यापकों को संबोधित करते हुए बी एस मलिक ने कहा कि किसी भी देश की तरक्की में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा भारत से बाहर विदेशों में जाने वाले लोग उन देशों की स्वच्छता की प्रशंसा करते नहीं थकते, परंतु स्वदेश लौटने के बाद दुनिया के विकसित देशों से मिली सीख भूल जाते हैं। उन्होंने दुनिया का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां भी स्वच्छता नियमों की पालना हुई है वही स्वच्छता आई है।

कैदी की करनाल में इलाज के दौरान मौत

करनाल। पानीपत जेल में बंद एक बंदी की तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। पहले उसे पानीपत के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान 28 वर्षीय दीपक पुत्र बलवान सिंह निवासी सिवाह के रूप में हुई है। बताया गया है कि उस पर चोरी समेत 15-16 मामले दर्ज थे और वह करीब साढ़े तीन साल से पानीपत जेल में बंद था। जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में दीपक को टीबी होने की पुष्टि हुई थी। इस बारे में उसके परिजनों को भी सूचित किया गया था। 22 मई को अचानक उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने उसे करनाल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस में रखवाया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच जारी है। मृतक के परिजनों का कहना है कि दीपक घर से बिल्कुल ठीक गया था और उन्हें उसकी बीमारी को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने योग सीखा

पानीपत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तहत गांव बड़ौली के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों व शिक्षकों को आयुष योग सहायक संदीप कुमार द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्या ओम सिंह राणा, डीपीई उमेद सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ आरोपित पकड़ा

पानीपत। थाना किला पुलिस ने किला पार्क के पास रोहित पुत्र विनोद निवासी राजीव कॉलोनी को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। थानेदार सुरेश ने बताया कि आरोपी ने बाइक 19 मई को राजीव कॉलोनी में दूध की डेयरी के बाहर से चोरी करना स्वीकारा। वहीं, बाइक चोरी की उक्त वारदात बारे थाना किला में ऋषि पुत्र रतन निवासी राजीव कॉलोनी की शिकायत पर केस दर्ज है।

पुलिस ने नशा तस्कर पकड़कर जेल भेजा

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस ने 504 ग्राम अफीम तस्करी मामले में शुक्रवार को आरोपी सप्लायर वाजिद खान निवासी गांव बिसरतगंज जिला बरेगी, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। थानेदार विजय ने बताया कि गत दिनों मोहम्मद इमरान निवासी नूरवाला को अफीम के साथ पकडा था, यह अफीम वाजिद खान ने इमरान को दी थी। इस मामले में थाना सेक्टर 13/17 में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

पंचायत समिति की बैठक एक को

पानीपत। पंचायत समिति पानीपत के चुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा के निर्देशों की पालना करते हुए पंचायत समिति पानीपत के सदस्यों की बैठक एक जून की सुबह खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, पानीपत में आयोजित की जाएगी।

शिकायत पर चोरी की बाइक बरामद

पानीपत। एंटी व्हीकल थेप्ट पुलिस टीम ने सेक्टर 11/12 में गंदा नाला पुलिया पर नाकाबंदी के दौरान राजेश पुत्र सतपाल निवासी मयूर विहार गांधी कॉलोनी समालखा को चोरी की बाइक से साथ गिरफ्तार किया। थानेदार राकेश ने बताया कि बरामद हुई बाइक की चोरी की वारदात बारे थाना सनौली में बापौली निवासी रवि पुत्र पितांबर की शिकायत पर केस दर्ज है।

बच्चों को योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया

पानीपत। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तहत हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के सभी स्कूलों में आयुष योग सहायकों द्वारा स्कूल के बच्चों को योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का अभ्यास करवाया जा रहा है। इसी कडी में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव खौतपुरा में आयुष योग सहायक रिशपाल कौर द्वारा योग प्रशिक्षण का समापन हुआ।

तीन ट्यूबवेलों में चोरी पुलिस जांच में जुटी

समालखा। पानीपत के गांव मनाना के पास मनाना समालखा रोड स्थित तीन ट्यूबवेलों में अज्ञात चोरों ने चोरी करने के बाद आग लगा दी। चोरों ने ट्यूबवेलों में 15 कट्टे डीएपी खाद, 15 कट्टे यूरिया, कीटनाशक, बिजली का सामान, स्टार्टर, प्याज के 10 कट्टे, गेहूं की छह बोरी चोरी कर ली। इधर, पीड़ित किसान अमित व सुभाष की शिकायत पर थाना समालखा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अग्रसेन विद्यालय में छात्रों ने धमाल किया

समालखा। महाराजा अग्रसेन विद्यालय में नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद वाटर पार्क एक्टिविटी का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित वाटर पूल, रंगबिरंगी स्लाइड्स तथा विभिन्न जल खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या अलका शर्मा, रीमा जैन, आशु जिंदल, शालू, शिव कुमार गर्ग रहे।

देशहित व राष्ट्रवाद के सिद्धांतों पर रखी गई है भाजपा की नींव

भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति हैं मजबूत कार्यकर्ता : मोहन

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर कार्यक्रम में दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली संबोधन करते हुए व प्रशिक्षण बैठक में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता।

भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत दूसरे चरण का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर शनिवार से नौ जिलों में शुरू हो गया। इसका मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं का वैचारिक और संगठनात्मक विकास करना तथा उन्हें बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित करना है। पानीपत जिला प्रशिक्षण वर्ग गांव कल्याण पट्टी में हुआ। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भाजपा का इतिहास विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इससे पहले कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दूसरी ओर, भाजपा का इतिहास विषय पर बोलते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ने वाला कार्यकर्ता आधारित संगठन है। वहीं, भाजपा की नींव देशहित, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर रखी गई है। पार्टी ने हमेशा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को प्राथमिकता दी है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनकड़, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, शलेंद्र पांडे समेत बडी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि

मोहन लाल बडौली ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है, जो गांव से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है तो उसके पीछे करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और समर्पण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा में प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि पार्टी में कार्यकर्ता ही असली पहचान और शक्ति है। भाजपा का प्रत्येक अभियान राष्ट्र निर्माण से जुड़ा हुआ है और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी लगातार जनविश्वास प्राप्त कर रही है।

बीसीए में अंकित व गरिमा छाए

■ आईबी कालेज के विद्यार्थी, बीसीए के परिणाम में अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। आईबी कॉलेज के प्राचार्य डॉ सतवीर सिंह के साथ मेधावी विद्यार्थी।

आईबी महाविद्यालय के बीसीए प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने शानदार परीक्षा परिणाम देकर पूरे जिले में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। कॉलेज के अंकित कुमार ने 9.88 एसजीपीए प्राप्त कर प्रथम स्थान, गरिमा ने 9.83, चेल्सी ने 9.67, अंकित गुप्ता ने 9.46, प्रिंसी ने 9.21 तथा नैना ने 9.13 एसजीपीए प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त दीपक कुमार ने 8.8, सौरभ ने 8.83, तनमय एवं संजना ने 8.79, पायल ने 8.71 तथा चैन्सी एवं शंकर ने 8.63 एसजीपीए प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

प्राचार्य ने दी शुभकामनाएं

प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा महाविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उत्कृष्ट सेवक सम्मानित होंगे

पानीपत। सामाजिक संस्था राह ग्रुप फाउंडेशन द्वारा "एक्सप्लोर इंडिया" अभियान के तहत देशभर की 101 प्रेरणादायक हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था की ओर से 11 से 14 जून तक पंचकूला, चंडीगढ़ और मोरनी हिल्स में "ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड का आयोजन होगा। वहीं, इस चार दिवसीय कार्यक्रम में समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति, खेल, पर्यावरण संरक्षण और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

रेडीमेड की अस्थायी दुकान से कपड़े व नकदी चोरी

यमुनानगर। छछरौली के त्रिकोणी चौक पर स्थित रेडीमेड की अस्थाई दुकान से चोरों ने कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव छछरौली निवासी जसजीत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने कस्बे के त्रिकोणी चौक पर अस्थाई रूप से रेडीमेड कपड़ों की दुकान की हुई है। देर शाम को वह कपड़ों को दुकान में इकट्ठा कर देता है। उसने बताया कि 22 मई को देर शाम उसने कपड़ों को दुकान में रख दिया। इस दौरान चोरों ने रात को दुकान से रेडीमेड कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली।

छात्र परिषद ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

पानीपत। प्रयाग इंटरनेशनल स्कूल में नवगठित छात्र परिषद के पदग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में स्कूल के वाइस चेयरमैन कार्तिक शर्मा, डायरेक्टर अंजू गुप्ता, प्राचार्या ममता सचदेवा, उपप्रधानाचार्य अशोक कुमार, मुख्याध्यापिका अलका बत्रा मौजूद रहे। दीप प्रज्वलन के साथ ही सम्पूर्ण वातावरण उत्साह, ऊर्जा एवं गरिमा से आलोकित हो उठा। वहीं, स्कूल के नव-निर्वाचित हेड बॉय, हेड गर्ल तथा विभिन्न सदनों के कप्तानों एवं प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने परिषद के सदस्यों को बैज और सैश प्रदान किए।

आईसीएआई में सेमिनार का दीप जला कर शुभारंभ करते हुए अतिथि व मेजबान।

सीए अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निष्ठा से निर्वहन करें: चोपड़ा

पानीपत। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा प्रधान सीए भूपेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के मुख्य वक्ता सीए अमरजीत चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष आईसीएआई व सीए पंकज कुमार मिश्रा रहे। इधर, सीए अमरजीत चोपड़ा ने अपने संबोधन में प्रोफेशनल एथिक्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बदलते समय में अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने सदस्यों को गुणवत्ता पूर्ण सेवाएं प्रदान करने एवं संस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। जबकि सीए पंकज कुमार मिश्रा ने आयकर रिटर्न, में हुए हालिया परिवर्तनों, टीडीएस आकाउंट बुक से संबंधित व्यावहारिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रावधानों की तकनीकी बारीकियों एवं अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं की उपयोगी जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अथितियों का गुलदस्ते व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सीए रजनी गोयल, सीए जितेंद्र बांगा, सीए कंवरदीप सिंह, सीए दविंदर कपूर, सीए मितेश मल्होत्रा, सीए मुकेश असीजा, सीए दिनेश जैन, सीए विजय गुप्ता, सीए परवीन चौहान, सीए शारद, सीए अरुण अग्रवाल, सीए गोविंद सैनी, सीए चिरंजीवी सोढ़ी, सीए मुकेश शर्मा, सीए जसबीर दहिया, सीए सुनील जैन, सीए हंसराज खुराना आदि रहे।

कथा में बताया भक्ति का मार्ग

■ आध्यात्मिकता में पुरुषोत्तम मास का विशेष महत्व : शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। श्री सनातन धर्म मंदिर में पुरुषोत्तम मास कथा का श्रवण करती श्रद्धालु।

श्री सनातन धर्म मंदिर सभा, मॉडल टाउन में आयोजित पुरुषोत्तम मास कथा के सातवें दिन का प्रसंग बेहद दिव्य और प्रेरणादायी रहा। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा श्रवण किया और पुण्य के भागी बनें। वहीं, पंडित बृजकिशोर शास्त्री ने पुरुषोत्तम मास मलमास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित है। इस पवित्र मास में की गई भक्ति, दान और कथा श्रवण का फल अनंत गुना हो जाता है। शास्त्री ने भगवान की दिव्य लीलाओं का जीवंत वर्णन करते हुए कहा कि सांसारिक बंधनों से मुक्ति और आत्मिक शांति का एकमात्र मार्ग केवल ईश्वर की शरण में जाना ही है।

भक्तों को प्रसाद किया वितरित

इस अवसर पर मंदिर सभा के प्रधान तरुण गांधी ने अपनी पूरी प्रबंधन टीम के साथ व्यवस्थाओं की कमान संभाली और कथा में पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत किया। वहीं, तरुण गांधी ने कहा कि मंदिर सभा का हमेशा यह प्रयास रहता है कि समाज में सनातन संस्कृति और धार्मिक चेतना का प्रवाह लगातार बना रहे। पुरुषोत्तम मास के इस पावन अवसर पर मंदिर में लगातार दिव्य माहौल बना हुआ है और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कथा के विश्राम पर मुख्य यजमानों और मंदिर समिति द्वारा भगवान की दिव्य आरती उतारी गई। इसके पश्चात मंदिर परिसर में आए सभी भक्तों को पवित्र प्रसाद वितरित किया गया।

पानीपत। गांव नंगला में आग में जलते बिटोडे। फोटो: हरिभूमि

आग में उफलों के बिटोडे व तूड़े के कूप राख

■ गांव नंगला में आग का तांडव, दमकलों ने तीन घंटों में आग को काबू किया

पानीपत। पानीपत के यमुना किनारे बसे गांव नंगला आर में शनिवार को गांव के बाहरी क्षेत्र में सूखे ईंधन के उफलों के बिटोडे व पशु चारे के तूड़े के कूप में आग लग गई। वहीं हवा तेज चलने के कारण आग ने बिटोडों व कूपों को अपनी चपेट में ले लिया। इधर, ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस व दमकल को दी। वहीं, आग के आबादी की ओर बढने का खतरा पैदा हो गया, इसके चलते आग प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण अपने मकानों को बंद कर दूसरी ओर खडे हो गए। इधर, दमकल कर्मियों ने कडे प्रयास कर करीब तीन घंटों में आग को काबू किया। वहीं, आग काबू होने तक अधिकतर बिटोडे व कूप आग में जल चुके थे, इस घटना से ग्रामीणों के लाखों रूपये के उफले व तूडी जल कर राख हो गई। दूसरी ओर, माना जा रहा है कि बिटोडों व कूपों में आग बिजली के शॉट सर्किट के कारण लगी होगी। वहीं, दमकल अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की व ग्रामीणों के हुए नुकसान की जांच शुरू कर दी है।

बच्चों को सनातन संस्कार दें : मधुबाला

■ एवी स्कूल में भारत विकास परिषद का बाल संस्कार कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। भारत विकास परिषद लवकुश शाखा के कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अतिथि व मेजबान। फोटो: हरिभूमि

स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया

भूपेश अग्रवाल संस्था के सचिव ने बच्चों को अच्छी बातें सिखाई तथा बच्चों को कर्तव्य बोध सिखाया गया। अध्यक्ष अंजना गुप्ता ने कहा कि गुरुओं का सम्मान करना चाहिए। स्कूल निदेशिका मधुबाला शास्त्री ने शाखा सदस्यों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

भारत विकास परिषद लवकुश शाखा द्वारा एवी पब्लिक स्कूल नूरवाला में आज बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन विद्यालय की निर्देशिका मधुबाला शास्त्री, संयोजक संपर्क कृष्ण गोयल, अध्यक्ष अंजना गुप्ता, सचिव भूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश गुप्ता द्वारा किया गया। बाल संस्कार संयोजिका रेनू गुप्ता, महिला सहभागिता ज्योति गुप्ता, शाखा सदस्य सीमा बंसल, कमलेश सिंगला ने बच्चों को अच्छे संस्कारों के बारे में बताया। इस अवसर पर निशांत प्रकाश प्रधान आर्य शिक्षा समिति भास्कर प्रकाश, भारत विकास परिषद लव कुश शाखा के समस्त पदाधिकारी, सदस्य, एवी पब्लिक स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चुलकाना धाम श्राइन बोर्ड गठन पर रिकार्ड सौंपा

■ धाम में दान में आई दस करोड़ की राशि बैंकों में जमा है, दानपात्रों की चाबियां बीडीपीओ को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

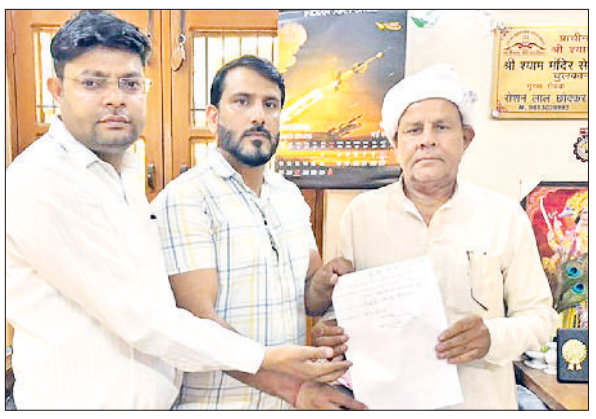

समालखा। चुलकाना धाम कमेटी के अध्यक्ष बीडीपीओ को रिकार्ड आदि सौंपते हुए।

हरियाणा सरकार द्वारा सुप्रसिद्ध श्री श्याम मंदिर चुलकाना धाम को श्राइन बोर्ड के तहत लाने की मंजूरी दिए जाने के बाद प्रशासन ने मंदिर प्रबंधन को अपने हाथ में लेना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में मंदिर कमेटी के प्रधान रोशन लाल छौक्कर ने मंदिर से जुड़े सभी रिकॉर्ड, दान पात्रों की चाबियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी समालखा को सौंप दिए हैं। उपमंडल अधिकारी समालखा द्वारा जारी आदेशों के अनुसार मंदिर को लेकर पिछले कुछ समय से दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी। भविष्य में किसी भी प्रकार के टकराव को रोकने और मंदिर की प्रबंधन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के उद्देश्य से ही प्रशासन ने मंदिर के रिकॉर्ड और संपत्ति को अपने कब्जे में लेने का निर्णय लिया है।

दस्तावेज सौंपे

श्री श्याम मंदिर कमेटी के प्रधान रोशन लाल ने बताया श्री श्याम मंदिर चुलकाना धाम अब पूरी तरह से श्राइन बोर्ड के अधीन आ गया है। समालखा बीडीपीओ कार्यालय के अधिकारी प्रवीण सेक्रेटरी और विजय को सभी दस्तावेज व सामान सौंप दिया गया है। श्याम बाबा मंदिर के बैंक खातों में फिलहाल 10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। प्रधान रोशन लाल ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में भी मंदिर व्यवस्था को लेकर प्रशासन को किसी भी प्रकार के सहयोग या जानकारी की आवश्यकता पड़ती है, तो वे इसके लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

पानीपत। रैडक्रास भवन में रक्तदान का संकल्प लेते हुए प्रशिक्षु युवा।

देश को नशा मुक्त बनाना रेडक्रास का उदेश्य : चंद

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

रैडक्रास भवन पानीपत में प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 150 प्रशिक्षुओं को नशे से दूर रहने व रक्तदान हेतु जागरूक करने बारे शपथ दिलवाई गई। सचिव गौरव राम करण ने कहा कि युवा पीड़ी देश का भविष्य है। प्रत्येक युवा को समाज सेवा में आगे आना चाहिए ताकि अच्छे समाज का निर्माण हो सके। उन्होनें युवाओं को जागरूक करते हुये कहा कि नशीली वस्तुओं और पदार्थो से दूर रहने को कहा। जिला प्रशिक्षण अधिकारी हरमेश चंद ने युवाओं से अपील की कि हम रक्तदान से किसी अंजान व जरूरमंद व्यक्ति की जान को बचा सकते हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति 18 से 65 साल के बीच रक्तदान कर सकता। वहीं प्रवक्ता कला भारद्वाज ने कहा कि स्वस्थ युवा ही अच्छे समाज का निर्माण कर सकता है।

कार्यक्रम छात्रों को अनुशासित जीवन का महत्व बताया

स्वामी वेदात्मवेश ने निर्मला देशपांडे संस्थान में धर्म व संस्कृति शिविर का शुभारंभ

अनुशासन, संयम, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। निर्मला देशपांडे संस्थान में स्वामी वेदात्मवेश के साथ राममोहन राय व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आर्य समाज के प्रख्यात विद्वान, दर्शनाचार्य एवं स्वामी अग्निवेश विचारमंच के अग्रणी नेता स्वामी वेदात्मवेश ने निर्मला देशपांडे संस्थान में आयोजित सात दिवसीय धर्म एवं संस्कृति शिविर का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और अनुशासित जीवन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है और यदि इस काल में अनुशासन, संयम तथा सकारात्मक सोच को अपनाया जाए तो व्यक्ति अपने जीवन में महान ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को रात्रि में जल्दी शयन करने तथा प्रातःकाल जल्दी उठने की आदत डालनी चाहिए। सुबह का समय अध्ययन, साधना और आत्मचिंतन के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना गया है।

ये रहे मौजूद

उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में सदाचार, अनुशासन और आत्मविश्वास को अपनाकर समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बनें। वहीं, विद्यार्थियों को स्वामी दयानन्द सरस्वती के प्रेरणादायक जीवन की विस्तार से जानकारी दी। इधर, उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश क्रांतिकारी समाज सुधारक, आध्यात्मिक व्यक्तित्व के इंसान थे उन्होंने मानवता, सामाजिक न्याय और जनजागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। कार्यक्रम में कानूनविद् राम मोहन राय आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

वार्ड-16 में सीवरेज कार्य शुरू जलभराव से मिलेगी राहत

बराड़ा। नगर पालिका द्वारा वार्ड नंबर-16 में लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान के लिए सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया। कार्य का शुभारंभ नपा अध्यक्ष रजत मलिक, जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सुभाष, जेई दीपक राणा तथा वार्ड सदस्य गुरजिंदर कौर की मौजूदगी में किया गया। लोग बोले सीवरेज व्यवस्था नहीं होने से गंदे पानी की निकासी व जलभराव की समस्या बनी हुई थी।

जीएमएस फोक्सा को मिला हाईटेक पोडियम

बराड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहयोग की मिसाल पेश करते हुए पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा को आधुनिक हाईटेक पोडियम भेंट किया। शनिवार को आयोजित अध्यापक-अभिभावक मिलनी कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रशासन को यह पोडियम सौंपा गया। पोडियम मिलने से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिला।

विज ने शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का जल्द होगा उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी भी इस स्मारक का अवलोकन कर चुके हैं। इसी के दृष्टिगत जो शेष छोटे-मोटे कार्य बचे हुए है संबधित विभाग व एजेंसी उसे युद्ध स्तर पर करना सुनिश्चित करें। विज शनिवार को शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अंबाला छावनी कनिका गोयल व शहीद स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यहां पर बनाया जा रहा आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक राष्ट्रीय स्तर का स्मारक है।

अंबाला। डीसी को जरुरी निर्देश देते मंत्री अनिल विज।

स्मारक उद्घाटन की तैयारी, सुविधाओं पर विशेष जोर

दूर-दराज से पर्यटक आकर इसकी सुंदरता का आभास करेगें। इसी को ध्यान में रखते हुए स्मारक से जुड़े जो छोटे मोटे कार्य बचे है उन्हें पूरी तत्परता के साथ करना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस स्मारक का उदघाटन करेंगे। ऊर्जा मंत्री ने बैठक के दौरान संबंधित एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेने के उपरांत यहां पर टिकट की बेहतर व्यवस्था , एंट्री एवं एग्जिट गेट के अलावा अनाधिकृत गेट न लगाने , म्यूजियम में लाईटिंग के साथ सीढियों के साथ लाइटिंग की के साथ-साथ रैंप की व्यवस्था के निर्देश दिए।

शहीदी स्मारक कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करें

स्मारक परिसर में रेलिंग की व्यवस्था के अलावा स्मारक के अंदर गैलरी से शुरू होकर बाहर तक आने वाले रास्ते एवं अन्य बिंदुओं बारे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा चूंकि शहीद स्मारक का उदघाटन नजदीक है इसलिए कार्य युद्धस्तर पर किए जाएं। विज ने नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की प्रोजेक्ट निदेशक को निर्देश दिए कि शहीद स्मारक के बाहर यानि जीटी रोड पर एक्सीलेटर की व्यवस्था की जाए। साथ ही जीटी रोड पर फेंसी लाइट तथा पौधरोपण के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रिकल विंग के एक्सईन को भी निर्देश दिए कि शहीदी स्मारक के बाहर तथा अंदर लाईटों की बेहतर व्यवस्था करना सुनिश्चित करें ताकि रात के समय में लोगों को इस स्मारक की सुंदरता दिख सके। मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि आजादी की पहली लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी यानि मेरठ से 10 घंटे पहले क्रांतिकारियों ने इसकी शुरूआत कर दी थी जिसके तथ्य भी हैं। उन्होंने कहा कि इस सारे विवरण को यहां पर थ्री-डी के माध्यम से दर्शाया जाए ताकि यहां पर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य को आजादी की पहली लड़ाई एवं उसकी घटनाओं तथा इतिहास के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह भव्य स्मारक युवाओं के साथ -साथ अन्य के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। शहीदी स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी ने भव्य स्मारक की तमाम कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

हीट वेव के बीच स्कूल खोलने वाले संचालकों पर कार्रवाई करने की तैयारी

- समर कैंप, यूनिट टेस्ट, ऑनलाइन कक्षाओं और सेमिनार के नाम पर नहीं बुलाए जाएंगे छात्र व शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए प्रदेश सरकार तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 25 से 30 जून तक सभी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इसके बावजूद कुछ निजी स्कूल प्रबंधक विभिन्न गतिविधियों के नाम पर स्कूल खोलकर शिक्षकों और छात्रों को बुला रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। डीईओ कार्यालय की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि सरकार के स्पष्ट आदेशों के बावजूद कुछ निजी स्कूल प्रबंधक ग्रीष्मावकाश के दौरान समर कैंप, गैर-जरूरी सेमिनार, प्री-समर वेकेशन यूनिट टेस्ट, कंपार्टमेंट परीक्षा की तैयारी और स्कूल परिसर से ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन इत्यादि के नाम पर शिक्षकों और कुछ मामलों में विद्यार्थियों को भी अपने स्कूलों में उपस्थित होने के निर्देश रहे हैं। इससे न केवल सरकारी आदेशों की अवहेलना हो रही है, बल्कि भीषण गर्मी के बीच बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। यह कतई स्वीकार्य नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी छह खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के निजी स्कूलों को तुरंत सरकार के आदेशों का सख्ती से पालन करवाएं। यदि कोई स्कूल घोषित अवकाश अवधि में खुला पाया जाता है या वहां छात्रों अथवा शिक्षकों की उपस्थिति मिलती है, तो संबंधित स्कूल प्रबंधक के खिलाफ तुरंत शो-कॉज नोटिस जारी किया जाए। खास बात यह है कि कार्रवाई के लिए किसी लिखित शिकायत का इंतजार नहीं किया जाएगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और सरकारीआदेशों की पालना "लेटर एंड स्पिरिट" में करवाएं।

धान में तेजी से बढ़ रहा बौनापन रोग

- धान की नर्सरी की बुवाई से पहले करें बीज का उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

धान की फसल को बीमारियों और विषाणु जनित रोगों से बचाने के लिए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को समय रहते सतर्क रहने और बीज उपचार अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार बुवाई से पहले बीजों का सही उपचार करने से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। कृषि विकास अधिकारी विनय कुमार के अनुसार 10–12 किलोग्राम धान के बीज के लिए 10 लीटर पानी में 10 ग्राम कार्बेंडाजिम (बॉविस्टिन) और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन मिलाकर घोल तैयार करें।

रोग रोकथाम और कीट नियंत्रण पर किसानों को सलाह

बीजों को इस घोल में 24 घंटे तक भिगोकर रखें। इसके बाद उपचारित बीजों को निकालकर पक्के फर्श या बोरी के ढेर पर छाया में रखें। गीली बोरी से 24 से 36 घंटे तक ढककर रखें। अंकुरण बेहतर करने के लिए समय-समय पर हल्का पानी छिड़कते रहें। किसानों को सलाह दी गई है कि धान की नर्सरी की बिजाई का समय अब चल रहा है। मक्के के खेतों के पास नर्सरी लगाने से बचें। साथ ही खेतों की नियमित निगरानी करें। कीट नियंत्रण के लिए डॉयनोटिफ्यूरॉन 20 प्रतिशत एसजी 80 ग्राम प्रति एकड़ या पाइमेट्रोजिन 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 120 ग्राम प्रति एकड़ दवा का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। पहला छिड़काव नर्सरी बिजाई के 12–15 दिन बाद तथा दूसरा 21–25 दिन बाद करना आवश्यक बताया गया है। संक्रमित पौधों को तुरंत उखाड़कर नष्ट करने की भी सलाह दी गई है। विशेषज्ञ विनय कुमार ने किसानों को धान में तेजी से फैल रहे बौनापन रोग को लेकर भी सावधान किया है। यह विषाणु जनित बीमारी वर्ष 2022 के बाद प्रदेश के अधिकांश धान उत्पादक क्षेत्रों में देखी जा रही है। इस रोग के कारण पौधे छोटे रह जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रुक जाती है। सबसे अधिक प्रभाव हाइब्रिड किस्मों में देखा गया है जबकि परमल और बासमती किस्में भी इससे प्रभावित हो रही हैं। रोग की पहचान खेतों में छोटे-छोटे पैच के रूप में बौने पौधों के दिखाई देने, पत्तियों के गहरे हरे रंग तथा जड़ों के कमजोर विकास से की जा सकती है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि सफेद पीठ वाला तेला इस रोग का मुख्य वाहक है इसलिए इसके नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

मानसून से पहले फिर जागा प्रशासन बैठकों तक सिमटी बाढ़ रोकने की तैयारी

- बराड़ा में हर साल बरसात के मौसम में बनते है बाढ़ जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

उपमंडल में हर साल की तरह इस बार भी मानसून आने से पहले प्रशासनिक बैठकों और बड़े-बड़े दावों का दौर शुरू हो गया है। एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों को नालों की सफाई, जल निकासी और बाढ़ से निपटने के इंतजामों के निर्देश तो दे दिए गए, लेकिन सवाल यह है कि आखिर ये सब तैयारियां जमीन पर कब नजर आएंगी? उपमंडल अधिकारी सतिंद्र सिवाच ने संबंधित विभागों की बैठक लेकर संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पंचायत विभाग, नगर पालिका, जन स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग और पीडब्ल्यूडी को नालों, नालियों और पुलियों की सफाई जल्द पूरी करने के आदेश दिए गए। साथ ही बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पंप, नौकाएं और गोताखोर तैयार रखने की बात कही गई।

महज खानापूर्ति बनी बैठकें

ऐसे में प्रशासन की यह तैयारी बैठक लोगों को केवल खानापूर्ति नजर आ रही है। हर साल बारिश के दौरान जलभराव से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, मगर प्रशासन मानसून सिर पर आने के बाद ही हरकत में आता दिखाई देता है। बैठक में अधिकारियों को समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश तो दिए गए, लेकिन अब तक यह साफ नहीं हो पाया कि पिछले वर्षों में जिन क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनी थी, वहां स्थायी समाधान के लिए आखिर क्या कार्रवाई हुई है।

यूपी-हरियाणा में बेचा जा रहा था पंजाब से खरीदा सस्ता मिलावटी पेट्रोल

- पूछताछ के दौरान आरोपियों ने किया खुलासा, जांच के बाद पहुंचे जेल, पुलिस ने पकड़ा था पांच हजार मिलावटी तेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पंजाब से पांच हजार लीटर पेट्रोल खरीदकर यूपी में तस्करी करने के मामले ने पुलिस और खाद्य आपूर्ति विभाग अफसर बेहद हैरान हैं। इस प्रकार की तस्करी लंबे समय से राज्य में देखने को नहीं मिली थी। बीते रोज शंभू बॉर्डर पर पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने जब पूछताछ तो सामने आया कि पंजाब से मिलावटी पेट्रोल सस्ते रेट में खरीदा जा रहा था, इसके बाद इसे यूपी और हरियाणा के बॉर्डर के इलाकों में इसकी बिक्री हो रही थी। पेट्रोल में क्या मिला रहे थे इसकी पड़ताल के लिए सैंपल लैब में अधिकारियों के द्वारा भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि हो सकेगी कि तस्कर पेट्रोल में क्या मिला रहे थे वहीं ईरान अमेरिका के बीच तनाव के चलते पेट्रोल डीजल को एसेंशियल कमोडिटी एक्ट में शामिल किया गया है तो इसी के तहत संबंधित आरोपियों पर कार्रवाई हो रही है। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। पंजाब में पेट्रोल डीजल के दाम हरियाणा और उत्तर प्रदेश से अधिक हैं। पंजाब में अभी 102 रुपये से अधिक दाम पेट्रोल के हैं जबकि डीजल भी हरियाणा से तीन रुपये महंगा है। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को इस बात ने हैरान कर दिया कि तस्कर महंगा तेल क्यों खरीदकर सस्ते में बेच रहे हैं। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि पंजाब से मिलावटी पेट्रोल लाकर उसे अन्य राज्यों में खपाया जा रहा है, ऐसे किसी को शक भी नहीं होता और उसे सस्ते दामों में बेच भी दिया जाता है।

NEW HAPPY PUBLIC SCHOOL

Opp. I.T.I., YAMUNANAGAR (AFFILIATED TO C.B.S.E., NEW DELHI)

ACADEMIC EXCELLENCE - CBSE RESULT 2025-26

CLASS XII TOPPERS

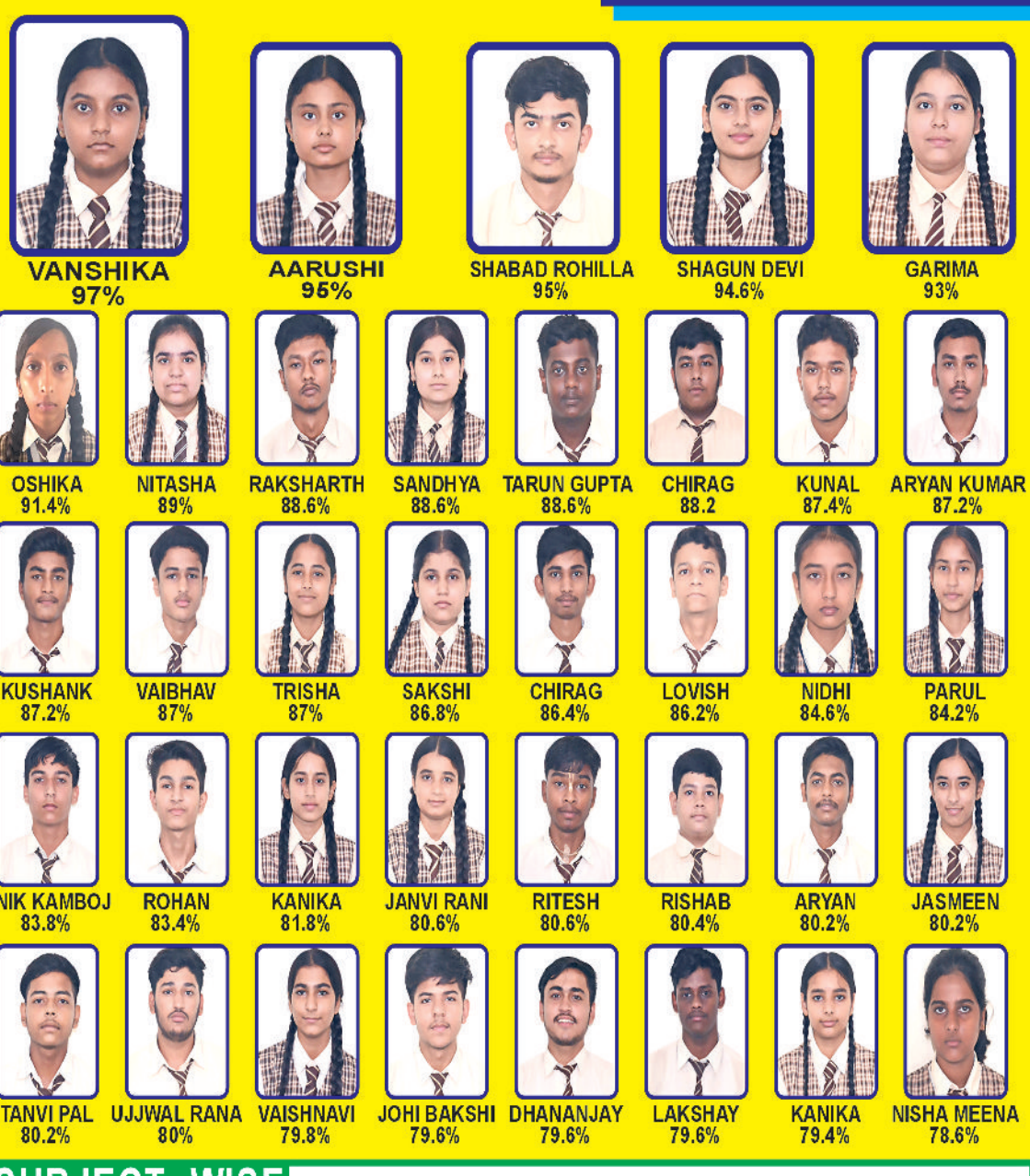

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS — ENGLISH 97, PHYSICS 92, MATHS 95, ACC. 97, P.Edu 97; MUSIC 100, CHEM. 93, BIO. 95, B.ST. 95, Eco. 95

CLASS X TOPPERS

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS — ENGLISH 98, MATHS 95, S.ST 95; HINDI 95, SCIENCE 96, I.T. 99

G.S. Sharma (Chairman) — Dr. Bindu Sharma (Principal)

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा
जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

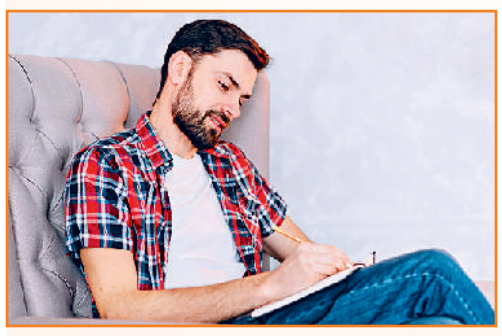

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

परंपरा-संस्कृति का मोहक आयोजन
तमिलनाडु का येरकौड उत्सव

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु अपनी संस्कृति, परंपरा और लोकपर्वों के लिए मशहूर है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाला येरकौड उत्सव भी इन्हीं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। यहां पर्यटक विभिन्न तरह के अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक }

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है-येरकौड। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन, शेवरॉय पहाड़ियों पर बसा है, जहां कॉफी, मसालों, फूलों और फलों की शानदार और सघन खेती होती है। धुंध से ढंकी पहाड़ियों व झीलों के लिए मशहूर पर्वतीय नगर येरकौड सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और फल-फूलों की खेती के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत और स्थानीय हस्तशिल्प का भी गढ़ है। ये सब खूबियां मिलकर इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं। यहां की इन्हीं खूबियों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए हर साल येरकौड उत्सव मनाया जाता है। आमतौर पर मई महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाने वाला यह रंगीन-सांस्कृतिक उत्सव इस साल 22 मई से शुरू हो चुका है और 28 मई 2026 तक आयोजित होगा।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यमः इस उत्सव की शुरुआत तमिलनाडु पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यतः दो उद्देश्यों से की थी। पहला येरकौड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तथा दूसरा, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए। धीरे-धीरे यह आयोजन केवल पर्यटकों को लुभाने वाला उत्सव ही नहीं रहा बल्कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया। आज इस उत्सव से जुड़कर सैकड़ों कलाकारों, किसानों, जनजातीय समुदायों, हस्तशिल्पियों, लोकनर्तकों और संगीतकारों की भी न केवल पहचान बनी है बल्कि यह उनकी समृद्धि का जरिया भी बना है। सिर्फ येरकौड की स्थानीय संस्कृति ही नहीं, तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को चमकदार बनाने में भी येरकौड उत्सव ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। येरकौड का सांस्कृतिक उत्सव शेवरॉय पहाड़ियों में रहने वाली जनजातियों की सांस्कृतिक आत्मा है।

लोकनृत्यों का भी होता है आयोजन

उनके लोकनृत्य, उनकी पारंपरिक वेशभूषा, उनका स्थानीय लोकसंगीत, रीति-रिवाज, इस उत्सव के न केवल आकर्षण हैं बल्कि उन्होंने तमिलनाडु और दुनिया के दूसरे हिस्सों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में बड़े पैमाने पर लोग इस मौके पर यहां आकर अपनी रोजमर्रा की भाग-दौड़ भरी जिंदगी के बीच आह्लादित करते सुकून के पल महसूस करते हैं।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः उत्सव के दौरान यहां के स्थानीय कलाकार अपनी लोक-लुभावन वेशभूषाओं में जुलूस निकालते हैं तथा तमिल लोक-जीवन की शानदार झांकी प्रस्तुत करते हैं। यह उत्सव एक साथ न केवल यहां की सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता को प्रस्तुत करता है बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक लोक संस्कृति का एक लुभावना फ्यूजन भी प्रदर्शित करता है। इसलिए येरकौड उत्सव को स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है, क्योंकि यह नई पीढ़ी को जितनी उत्सुकता और रोमांच के साथ आकर्षित करता है, उतनी ही तीव्रता के साथ पुरानी पीढ़ी को भी इस उत्सव के साथ जोड़ता है।

मनमोहक उत्सव की अनोखी छटाः तमिल लोकसंगीत, नादस्वरम, करगट्टम और कवड़ी की पारंपरिक धुनों तथा स्थानीय नृत्य प्रस्तुतियों से यह उत्सव अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है। शाम ढलते ही पूरा शहर लोकधुनों और अलग-अलग जगहों पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए सैलानी संतरे का स्वाद तथा फूलों की खुशबू का खूब लुत्फ उठाते हैं। लौटते वक्त विशेष रूप से यहां की मशहूर कॉफी और कालीमिर्च जैसे मसाले अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः येरकौड महोत्सव सिर्फ स्थानीय लोक संस्कृति का उत्सव भर नहीं है बल्कि जीवनशैली और जीवन यापन का भी संगीतमय उत्सव है। इस उत्सव में स्थानीय फलों और कृषि उत्पादों की विशेष झांकियां लगाई जाती हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को शुद्ध और विशिष्ट कृषि उत्पाद तो हासिल होते ही हैं, यहां के किसानों की अच्छी-खासी आय भी इस उत्सव के जरिए हो जाती है। यहां का हस्तशिल्प भी अपनी तरह की विशिष्टता के लिए जाना जाता है। विशेषकर यहां के बांस के उत्पादों को लोग खूब पसंद करते हैं। कुल मिलाकर यह प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक जीवन का साझा उत्सव है। इसमें फूलों की खुशबू के साथ लोकधुनें गूंजती हैं और पहाड़ों की ठंडी हवाओं के साथ परंपराओं की गर्माहट का आनंद भी मिलता है। *

फ्लावर शो-बोट रेसिंग का आकर्षण

येरकौड लोक उत्सव की दो और महत्वपूर्ण खासियतें हैं, जिसमें एक है फ्लावर शो और दूसरा है नौका दौड़। येरकौड उत्सव इन दोनों आयोजनों के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। फ्लावर शो के दौरान यहां पाए जाने वाले सैकड़ों किस्म के खुशबूदार और रंग-बिरंगे फूलों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस उत्सव के दौरान येरकौड झील में एक बोट रेस भी आयोजित की जाती है, जो इस उत्सव का एक विशेष आकर्षण होती है। दूर-दूर से आए पर्यटक उत्सव के दौरान नौकायन का भरपूर आनंद लेते हैं।

इस तपिश में पक्षियों को देगा राहत
थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

इन दिनों की तपती गर्मी से हम सब इंसान ही नहीं नन्हे बेजुबान पक्षी भी बेहद बेचैन हैं। दिन के समय इनके लिए दाने-पानी को खोजना बहुत कठिन हो जाता है। इन पक्षियों की बेचैनी को कम करने के लिए हम सब उनके लिए थोड़े से दाने और पानी का इंतजाम कर उनको बड़ी राहत दे सकते हैं।

{ सरोकार / के. पी. सिंह }

तपती दोपहरी में जब धरती अंगारों की तरह दहकती है और आसमान से आग बरसती महसूस होती है, तब सबसे ज्यादा संकट, उन नन्हे परिंदों पर आता है, जिनकी चहचाहट हमारी सुबहों को जीवंत बनाती है। पानी की कुछ बूंदें और अनाज के कुछ दाने उनके लिए जीवनदायी बन सकते हैं। इसलिए अगर हम सब इन बेचैन करने वाली गर्मी के दिनों में अपने घर की छत, बालकनी या खिड़की के बाहर बने स्पेस पर एक कटोरा पानी का भरकर रख दें और उसी जगह एक मुट्ठी दाना डाल दें तो यह नन्हे परिंदों को जिंदगी की बहुत राहत देगा। यह छोटा-सा प्रयास उनके लिए सुरक्षित ठिकाना और जिंदगी का सहारा बन सकता है।

बढ़ते ताप से पक्षी होते बेहालः बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हम इंसानों से भी ज्यादा शहरों की सड़कों से लेकर गांव के खुले आकाश तक पक्षियों के लिए भारी संकट पैदा हो गया है। देखने में आ रहा है कि पिछले कुछ सालों से गर्मी के दिनों में तापमान में लगातार हो रही वृद्धि, पक्षियों के प्राकृतिक जीवन चक्र को बाधित कर रहा है। पहले जहां 38 से 40 डिग्री का तापमान मई के आखिरी दिनों में हुआ करता था, वहीं अब यह अप्रैल के अंतिम सप्ताह से लेकर मई के पहले सप्ताह में होने लगा है। इन दिनों तो कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड को भी पार कर रहा है। जब गर्मी इतनी ज्यादा पड़ती है तो छोटे पक्षियों के लिए यह बहुत चुनौती बन जाती है। उनके लिए सुरक्षित आश्रय और दाना-पानी की जबर्दस्त किल्लत हो जाती है। पक्षियों का शरीर छोटा और बेहद संवेदनशील होता है, इससे वे तापमान में हल्के बदलाव से भी प्रभावित होते हैं। गर्मियों में जब जलस्रोत सूखने लगते हैं, तो उन्हें पानी की तलाश में दूर-दूर तक उड़ान भरनी पड़ती है। इस दौरान उनकी ऊर्जा तेजी से खत्म होती है और कई बार पानी की तलाश में ही वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बड़ी समस्याः शहरी क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति और गंभीर है। कंक्रीट के जंगलों में न तो पेड़ों की छाया बची है और न ही प्राकृतिक जलस्रोत। यही कारण है कि कबूतर, गौरैया, कौआ, मैना जैसे पक्षी भी अब पानी के लिए तरसने लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि हर साल गर्मियों में उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक हजारों पक्षी सिर्फ प्यास और अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ देते हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण लगातार पेड़ कट रहे हैं। ये पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते बल्कि पक्षियों के लिए भोजन और आशियाना भी होते हैं। पुराने पेड़ जिनमें पक्षी पहले घोंसले बनाया करते थे, अब नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे अब इमारती लकड़ी वाले पेड़ लगाए जाते हैं, जिसका असर यह होता है कि सड़क किनारे पेड़ होने के बावजूद उसमें पक्षी अपना घोंसला नहीं बना पाते और न ही राहगीरों को उनसे कोई छाया मिलती है। यही कारण है कि शहरों में रहने वाली गौरैया और बुलबुल जैसी पक्षियों की हाल के सालों में काफी ज्यादा संख्या कम हुई है, क्योंकि पानी और आश्रय की कमी से इंसानों की तरह पक्षी भी लू का शिकार हो जाते हैं।

कर सकते हैं ये प्रयासः अत्यधिक गर्मी में नन्हे पक्षियों का शरीर, तापमान नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे गिरकर बेहोश हो जाते हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हम सबको गर्मियों में अपने घरों, अपने आंगनों, खेतों, छतों और मुडेरों यानी जहां भी संभव हो, एक कटोरा पानी और एक मुट्ठी दाने का इंतजाम पक्षियों के लिए जरूर करना चाहिए। इससे इनकी जान भी बचाई जा सकती है और हमें इससे नन्हे पक्षियों की जान बचाने की खुशी भी भरपूर मिलेगी। इससे कई तरह के तनाव और लाइफस्टाइल समस्याओं से हम मुक्त रहेंगे। सरकार और पर्यावरण संगठन इस संबंध में हालांकि कई तरह के प्रयास कर रहे हैं। पक्षी बचाओ जैसे अभियान लोगों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकार और मुट्ठी भर गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों से नहीं होगा। जैसे ही गर्मियों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में 70 फीसदी जलस्रोत सूख जाते हैं। इसीलिए पिछले कई सालों से हर साल विशेषकर मई से लेकर जून तक देशभर में हजारों पक्षी हीट स्ट्रोक या लू से मरते पाए गए हैं। ऐसे में हम अगर अपने घर के आस-पास या कहीं भी मिट्टी के एक बर्तन में हर रोज थोड़ा पानी भरकर रख दें और उसी के आस-पास ज्वार, बाजरा और चावल जैसे कुछ दाने भी डाल दें, तो इस छोटे से प्रयास से हर साल हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। *

गर्मी में देंगे ठंडा एहसास
ये देसी कोल्ड ड्रिंक

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के ड्रिंक्स पीने-पिलाने का चलन है। ये देसी कोल्ड-ड्रिंक्स, टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी होते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

{ सीजनल डाइट
शिखर चंद जैन }

अकसर हेल्थ एक्सपर्ट्स कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक न पीने की हिदायत देते हैं। लेकिन चिंता न करें, गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई तरह के देसी ठंडे पेय आप पी सकते हैं, जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक शुगर (चीनी), कैफीन और हानिकारक केमिकल होते हैं, जो वजन बढ़ाते हैं और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। इनके ज्यादा सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके विपरीत, प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर देसी ड्रिंक्स शरीर को ताजगी देते हैं और इनका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

लस्सी

लस्सीः गर्मी के दिनों में लस्सी तो हम सब के घरों में बनती ही रहती है। इसे बनाने में न कोई झंझट है ना ज्यादा समय ही लगता है। बस अच्छी क्वालिटी के दही में चीनी मिला लें। या फिर भुना-पिसा जीरा और काला नमक मिलाकर पी लीजिए। यह शरीर को तुरंत ठंडक प्रदान करता है।

जलजीराः जीरा, पुदीना, इमली और नीबू रस के मिश्रण से तैयार यह चटपटा पेय पाचन को सुधारता है और शरीर को ठंडा रखता है। आप चाहें तो अच्छी कंपनी का जलजीरा पावडर लाकर उसमें पुदीना, नीबू का रस मिलाकर पी सकते हैं।

आम पन्नाः इन दिनों मार्केट में कैरी (कच्चा आम) भरपूर मिल रही है। कैरी को भून कर मसल लीजिए और छान कर उस पानी में हल्की-सी चीनी, जीरा और काला नमक मिला लीजिए। यह पेय लू से बचाने में रामबाण माना जाता है।

आम पन्ना

ठंडाईः दूध, सूखे मेवे और केसर से भरपूर यह ड्रिंक विशेषकर होली के समय और गर्मियों में ताजगी के लिए पी जाती है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पौष्टिक भी होता है।

बेल का शरबतः पके हुए बेल के गूदे से बना यह शरबत एक बेहतरीन ठंडा पेय है और पाचन में सहायक होता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश में इसका खूब सेवन किया जाता है।

सत्तू शरबतः भुने हुए चने के आटे (सत्तू), नीबू, पानी और नमक से बना यह पेय पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट को ठंडा और शरीर को ऊर्जावान रखता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित है।

सत्तू शरबत

गोंधोराज घोलः यह पश्चिम बंगाल की खास छाछ है, जिसमें सुगंधित 'गोंधोराज' नामक विशेष तरह के नीबू के रस का उपयोग किया जाता है।

नीरू मज्जिगा (नीर मोर): यह पेय मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिया जाता है। यह एक ठंडी छाछ है, जिसे मसाले, करी पत्ते और अदरक मिलाकर तैयार किया जाता है।

जिगरठंडाः दूध, गोंद कतीरा और नन्नारी सिरप से बना यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। खासतौर से यह तमिलनाडु के मदुरै और उसके आस-पास के इलाकों में अधिक प्रचलित है।

पनाकमः तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गुड़, सोंठ और इलायची से बना यह पारंपरिक पेय, त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

रागी अंबालीः कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रचलित यह पेय पोषण से भरपूर और शरीर को शीतलता देने वाला होता है। यह रागी (एक प्रकार का मोटा अनाज) से बना होता है। *

रागी अंबाली

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' और 'नच बलिए 4' जैसे रियलिटी शोज को जज कर चुकीं करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में भी बतौर जज नजर आएंगी। डांसिंग जज के रूप में वह कैसा महसूस करती हैं? इस शो के पांचवें सीजन में इस बार क्या खास है? भविष्य में एक्टिंग को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए करिश्मा कपूर ने इस बातचीत में।

इंडियाज बेस्ट डांसर की जज बनकर मुझे बहुत मजा आ रहा हैः करिश्मा कपूर

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अपने दौर की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार करिश्मा कपूर ने शादी के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से संन्यास ले लिया था और वह पूरी तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई थीं। लेकिन आज हालात अलग हैं, उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। एक बार फिर वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो गई हैं। जल्द ही करिश्मा, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाले डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो और करियर से जुड़े सवाल करिश्मा कपूर से।

आप एक बार फिर 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में बतौर जज आएंगी। इस बार इस शो में आपको किस बात ने आकर्षित किया?

इस बार इस सीजन का थीम 'इंडिया वाला डांस' है। जिसका मतलब है इंडिविजुएलिटी और सेल्फ एक्सप्रेशन, यह अपनी यूनिक शैली को अपनाने, खुद पर कॉन्फिडेंस रखने और एकदम अलग दिखने से ना डरने के बारे में है। कहने का मतलब यह है कि जब प्रतियोगी सच में अपनी कला के जरिए अपनी पहचान से जुड़ते हैं, तभी उनकी परफॉर्मेंस यादगार साबित होती है। 'इंडिया वाला डांस' की इसी सोच से इंप्रेस होकर मैं एक बार फिर इस शो से जुड़ी।

बॉलीवुड के कई सुपरहिट गानों का आप हिस्सा रही हैं। 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित के साथ आईकॉनिक डांस, गोविंदा के साथ कई डांस नंबर्स, आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं। ऐसे में जब इस शो में आपके डांस वाले गानों पर पार्टिसिपेंट्स परफॉर्म करते हैं तो उस समय आपका क्या रिएक्शन होता है?

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में को-जजेज के साथ करिश्मा कपूर

(मुस्कुराते हुए) पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। बहुत खुशी होती है जब अपने डांस नंबर पर किसी को ठुमके लगाते हुए देखती हूं। मेरी फिल्मी जर्नी में डांस का अहम हिस्सा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में मेरे गाने पर किया गया हर परफॉर्मेंस मुझे उन पलों की याद दिलाता है। जब पार्टिसिपेंट्स को मैं पूरी शिद्दत के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनका हार्ड वर्क और डेडिकेशन इंस्पायरिंग लगता है।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से हैं, जहां कहानी कहने में डांस ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में जजिंग पैनल में आपको डांस का कौन-सा साइड अनोखा लगता है, जिसमें आप प्रतियोगी को जज करती हैं?

मेरी पूरी लाइफ फिल्मों में बीती है। 16 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान मैंने हमेशा डांस को एक पॉवरफुल आस्पेक्ट के रूप में देखा है। डांस न सिर्फ फीलिंग्स को एक्सप्रेस करता है बल्कि यह कहानी कहने की भी ताकत रखता है। यह शो सिर्फ डांसिंग स्टेप्स के बारे में नहीं है, बल्कि इमोशन एक्सप्रेशन और दर्शकों से जुड़ने के बारे में भी है। मैं यही नजरिया बतौर जज लाना चाहती हूं। मैं ऐसी परफॉर्मेंस देखना चाहती हूं, जो टेक्निकली सही हो, इमोशन से भरपूर और सहज हो। ऐसी परफॉर्मेंस जो दर्शकों के दिलों पर गहरा असर छोड़े।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आपके साथ गीता कपूर, जावेद जाफरी और टेरेंस लुईस भी बतौर जज आ रहे हैं। उनके साथ आपका तालमेल कैसा है?

बहुत ही अच्छा है। शो की जजिंग के अलावा भी हम आपस में मजाक मस्ती करते रहते हैं। गीता जहां मस्तीखोर है, वहीं जावेद जाफरी का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। इन सभी जजेज के साथ शो का हिस्सा बनने का अनुभव मजेदार है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर' देश भर के उभरते कलाकारों के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन चुका है। ऐसे में जो डांसर इस शो में भाग लेना चाहते हैं, ऐसे कंटेस्टेंट्स को आप क्या मैसेज देना चाहेंगी?

उनसे मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने ऊपर विश्वास रखें, खुद के प्रति सच्चे रहें, कुछ ना कुछ नया सीखने की कोशिश करें, चुनौतियों का सामना करें, कभी निराश ना हों और ना ही हार मानें। एक दिन आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपका टैलेंट आपको सब में अलग और अच्छा दिखाएगा। ऐसे लोगों का इस शो में स्वागत है। ये मंच ऐसे ही लोगों के लिए बना है, जहां आकर वह अपना डांसिंग टैलेंट पेश कर सकते हैं।

क्या आपके बच्चों को भी डांस और एक्टिंग में इंटरेस्ट है?

इस बारे में अभी तो मैं कुछ कह नहीं सकती, क्योंकि मेरे दोनों ही बच्चे फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं। भविष्य में वे कौन-सा करियर चुनते हैं, यह अभी से कहना मुश्किल है। *

मैं फिल्मों में भी काम करने के लिए तैयार हूं बशर्ते...

टीवी शोज के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग को लेकर क्या प्लानिंग है, इस बारे में पूछने पर करिश्मा बताती हैं, 'फिल्म हो, ओटीटी हो या टीवी, मुझे हर जगह काम करने में कोई प्रॉब्लम नहीं है। बस मैं जो भी काम करूं वह अच्छा होना चाहिए। जैसे मैंने कुछ सालों पहले 'मेंटल हुड' और 'मर्डर मुबारक' वेब सीरीज की थी। फिलहाल मैं अभिनव देव के निर्देशन में 'ब्राउन' सीरीज कर रही हूं। फिल्मों में भी काम करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते उसमें मेरा रोल मीनिंगफुल और दमदार होना चाहिए।'